वर्ष-15, अंक-243
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
ये दुनिया है यहाँ सबको सब कुछ नजर आता है, सिवाय अपनी गलतियों के!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार सिटी चीफ

बिहार, रविवार, 08 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

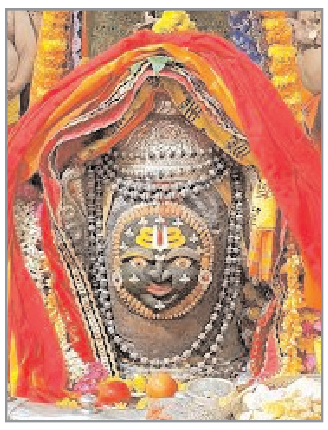

स्कूल से रंगदारी के रूप में ले गए निर्माण सामग्री बरामद

मधेपुरा. मधेपुरा के शंकरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मछहा गांव में पुलिस ने एक अभियुक्त के घर से देसी मास्केट, तलवार और निर्माणाधीन एससी-एसटी आवासीय विद्यालय से रंगदारी के रूप में लाए गए लाखों का निर्माण सामग्री बरामद किया है। पुलिस सभी बरामद सामान को ट्रैक्टर ट्रेलर पर लाद कर थाना ले गई।

हालांकि इस दौरान किसी भी अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हो पाई। पुलिस के आने की सूचना मिलते ही सभी अभियुक्त फरार हो गए। एसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त मछहा वार्ड दो निवासी भोला यादव द्वारा मछहा स्थित निर्माणाधीन आवासीय विद्यालय के ठेकेदार के मुंशी को हथियार का भय दिखाकर गोली फायर करते हुए निर्माण सामग्री लेकर चला गया था। इस मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से शंकरपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। निर्माण कंपनी के मुंशी सुनील कुमार सिंह द्वारा थाना में दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि मछहा गांव में एससी-एसटी आवासीय विद्यालय का निर्माण हो रहा है। उसी गांव के भोला यादव समेत अन्य चार-पांच लोग निर्माण स्थल पर पहुंचकर उनसे हथियार के बल पर रंगदारी मांग रहे थे।

बदमाशों ने वहां रखा बालू, छड़ गिट्टी समेत अन्य निर्माण सामग्री तीन-चार गाड़ी पर लेकर चला गया। मुंशी ने बताया कि ये लोग आए दिन जान से मारने की धमकी देकर निर्माण स्थल पर रखा सामान लेकर चले जाते हैं। घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं निर्माण सामग्री की बरामदगी के लिए एसपी के निर्देशानुसार सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। जिसमें शंकरपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार, दरोगा महितोष परासर, उदय कुमार एवं भतनी थानाध्यक्ष सत्य प्रकाश एवं पुलिस बल को शामिल किया गया।

देसी मास्केट और तलवार बरामद

गठित टीम ने आरोपी भोला यादव के घर, कामत मवेशी का चारा रखने वाला घर और जलावन रखने वाले घर, पुआल का ढेर आदि जगहों की तलाशी ली तो देसी मास्केट, तलवार के साथ अन्य सामान बरामद किया गया। इस दौरान सभी अभियुक्त घर से फरार हो गए। इस मामले में भोला यादव, उनके बेटे तथा भतनी थाना क्षेत्र गोपालपुर निवासी जयकुमार यादव के विरुद्ध कांड दर्ज किया गया। शंकरपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि अभियुक्त के घर व अन्य ठिकाने से हथियार के अलावा बोरवेल पाइप, पीवीसी ग्लास, टाइल्स, शौचालय सीट, शटरिंग पाइप, बिजली पैनल बॉक्स, मिक्सर प्लेट, रेलिंग ग्रिल, फेंसिंग बाउंड्री ग्रिल समेत भारी मात्रा में निर्माण सामग्री बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पटना में 250 लोगों पर दंगा भड़काने का केस

खान सर कोचिंग का सोशल मीडिया अकाउंट भी जद में आया

पटना. बीपीएससी 70वीं प्रतियोगिता परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन को लेकर अभ्यर्थियों के किए गए हंगामा और विरोध प्रदर्शन में पटना पुलिस ने कार्रवाई की है. पटना पुलिस ने इस मामले में 250 अज्ञात लोगों पर कानून व्यवस्था भंग करने, षड्यंत्र रचने और सरकारी काम में बाधा डालने को लेकर केस दर्ज किया है. छात्र नेता दिलीप कुमार को इस मामले में पुलिस ने जेल भेज दिया है. इसके साथ ही ढाई सौ ज्ञात लोगों पर केस दर्ज करने के बाद पुलिस उनकी पहचान में जुट गई है. खान सर की गिरफ्तारी को लेकर आधारहीन और भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में खान ग्लोबल स्टडीज नामक एक हैंडल के खिलाफ भी सचिवालय थाने में अलग से केस दर्ज किया गया है.

बता दें कि बिहार लोक सेवा आयोग के अभ्यर्थियों ने शुक्रवार की शाम गर्दनीबाग धरना स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया था. इस दौरान घटना स्थल पर छात्र नेता दिलीप कुमार भी पहुंचे थे, जहां पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. इसी दौरान कोचिंग संचालक खान सर की गिरफ्तारी की अफवाह भी तेजी से फैली थी. हालांकि, पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया था. पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने उनकी गिरफ्तारी का खंडन किया था. बावजूद इसके शनिवार तक उनके सोशल मीडिया पर खान ग्लोबल स्टडीज नमक उनके आधिकारिक एक हैंडल में एक भ्रामक पोस्ट सामने आया था जिसमें उनकी रिहाई की बात कही गई थी.

सचिवालय डीएसपी अनु कुमारी की मानें तो छात्रों और बीएससी अभ्यर्थियों को भड़काने के लिए ऐसा पोस्ट किया गया था और इसी गंभीरता को देखते हुए सचिवालय थाने में × हैंडल पर केस दर्ज किया गया है. पटना पुलिस के अनुसार, खान सर खुद गर्दनीबाग थाना पहुंचे थे और मजिस्ट्रेट से मुलाकात की थी और उन्होंने छात्रों को समझने का आश्वासन भी दिया था. इसके बाद उनके अनुरोध पर पुलिस ने अपने वाहन से बिठाकर अटल पथ के पास उनकी गाड़ी तक सुरक्षित छोड़ दिया था. पटना पुलिस अधिकारियों की मानें तो जब उन्हें ना तो हिरासत में लिया गया था और ना ही गिरफ्तार किया गया था तो सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने का क्या मतलब था. बहरहाल, पटना पुलिस क्या कार्रवाई करती है यह आगे पता चलेगा. इस बीच खान सर की तबीयत बिगड़ने की भी खबर सामने आई जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था.

एनएच पर ट्रेलर में ईंट लोड ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

एक की मौत; गाड़ी के उड़े परखच्चे

नालंदा में रविवार की सुबह ट्रेलर और ट्रैक्टर के बीच टक्कर में एक ड्राइवर की मौत हो गई। मामला भागन बीघा ओपी अंतर्गत एनएच 20 मोरा पचासा के समीप का है। फिलहाल ट्रैक्टर ड्राइवर की पहचान नहीं की जा सकी है। भागन विगहा ओपी प्रभारी शैलेश कुमार झा ने बताया कि रविवार सुबह एक ट्रैक्टर और ट्रेलर के बीच टक्कर हो गई है। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर ड्राइवर की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है एवं मृतक की पहचान की जा रही है। आसपस के थाने को भी जानकारी दी गई है। पहचान के लिए सोशल मीडिया की भी मदद ली जा रही है। लोगों का कहना है कि ट्रैक्टर और ट्रेलर में टक्कर इतनी भीषण हुई की ट्रैक्टर के जहां परखच्चे उड़ गए। वहीं ट्रेलर के आगे का भाग भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रैक्टर पर ईंट लोड थी और वह रॉन्ग साइड से जा रही थी। इस हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके पर गाड़ी छोड़ फरार हो गया।

वहीं ट्रैक्टर की ट्रॉली पर लोड ईंट सड़क पर बिखर गई और थोड़ी देर के लिए आवागमन अवरुद्ध हो गया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर को सड़क से किनारे किया और सड़कों से ईंट हटाकर आवागमन को फिर से सुचारू कराया।

बहादुरी से बचा ली सबकी जान

पेट में गोली लगने के बाद भी कई किलोमीटर तक गाड़ी चलाता रहा ड्राइवर

बिहार के भोजपुर जिले में एक ड्राइवर ने अपनी बहादुरी से 14-15 लोगों की जान बचा ली। पेट में गोली लगने के बाद भी जीप चालक संतोष सिंह ने साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए कुछ किलोमीटर तक वाहन चलाकर अपने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। पेट में गोली लगने से संतोष का काफी खून बह रहा था और उन्हें असहनीय दर्द भी हो रहा था। इधर बदमाश भी बाइक से पीछा कर रहे थे। ऐसे हालातों में संतोष ने कई किलोमीटर तक गाड़ी चलाई और सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि सिंह अपनी जीप में 14-15 लोगों के साथ एक तिलक समारोह से लौट रहे थे, तभी झौन गांव के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने वाहन का पीछा किया और गोलियां चला दीं, जिसमें सिंह के पेट में गोली लग गई। घायल होने और असहनीय दर्द के बावजूद उन्होंने वाहन नहीं रोका और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कुछ किलोमीटर तक वाहन चलाते रहे। पुलिस ने बताया कि सिंह ने आखिरकार वाहन को सुरक्षित स्थान पर रोक दिया।

सर्जरी के बाद निकाली गोली

जीप में सवार अन्य यात्रियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सिंह को नजदीकी अस्पताल ले गई। घटना बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात को हुई। आरा के एक अस्पताल में सर्जरी के बाद सिंह की गोली निकाल दी गई है। जगदीशपुर के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) राजीव चंद्र सिंह ने शनिवार को पीटीआई को बताया, वह खतरे से बाहर है...लेकिन उसे कुछ और दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा जाएगा। एसडीपीओ ने बताया कि पीड़ित के परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

आरोपी ने दूसरी गाड़ी को भी बनाया था निशाना

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने उसी दिन इलाके में एक अन्य वाहन को भी निशाना बनाया था। उन्होंने बताया कि जांच में पुलिस की मदद के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों को लगाया गया है। यात्रियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपी के स्केच तैयार किए हैं और आरोपियों की पहचान का पता लगाने के लिए ग्रामीणों की मदद ली जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि आगे की जांच जारी है और हमने ड्राइवर का बयान भी दर्ज कर लिया है।

बिहार में बिजली कंपनी घर-घर घुमाएगी फोन

पूछेगी ये 2 सवाल; फिर लेगी एक्शन

बिहार में अब बिजली कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं के नंबर पर यह फोन आएगा कि आपके घर एसी ज्यादा चल रहा, पंखा बंद नहीं हो रहा या जाड़े के दिनों में आम तौर घरों में चलने वाले ब्लोअर, हीटर व गीजर आदि अधिक चल रहा।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं ने जो नंबर दिया है उस पर मैसेज या फिर फोन आएगा। इस व्यवस्था के लिए केंद्र सरकार के उपक्रम रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन ने बिहार के साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड का चयन किया है।

एक लाख उपभोक्ताओं के नंबर रैंडम सिस्टम के तहत लिए जाएंगे

साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेंद्र कुमार ने बताया कि इस कवायद के तहत एक लाख उपभोक्ताओं के नंबर रैंडम सिस्टम के तहत लिए जाएंगे। यह नंबर रुरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन द्वारा तय एजेंसी बिजली टेक्नोलाजीज प्राइवेट लिमिटेड को दिया जाएगा।

एक साल तक लगातार होगा अध्ययन

जिन एक लाख उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा संबंधित एजेंसी को दिया जाएगा वह तय लोड के आधार पर लगातार एक साल तक यह अध्ययन करेगा कि उपभोक्ताओं द्वारा बिजली उपभोग की पूर्व की प्रकृति क्या है और वर्तमान में उसके उपभोग का डाटा क्या कह रहा।

उसकी खपत की यूनिट लगातार बढ़ रही या घट रही इसकी जानकारी मिलेगी। अगर उपभोग का डाटा बहुत अधिक है तो लोड बढ़ने का मामला सामने आ जाएगा और लोड अचानक कम हो गया है तो इसे भी स्थानीय स्तर पर समझा जाएगा। मोटे तौर पर यह ऊर्जा प्रबंधन का मामला है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से काम करेगा।

अध्ययन के आधार पर वितरण लास को कम करने में मदद मिलेगी

बिजली कंपनी के आला अधिकारी ने कहा कि उपभोक्ताओं द्वारा बिजली की खपत के इस अध्ययन से यह जानकारी भी मिलेगी कि किसी क्षेत्र विशेष में उपभोक्ताओं की बिलिंग क्या है और उससे कितनी अधिक बिजली की खपत वहां हो रही। इस वितरण लास को चेक कर उसे कम करने में मदद मिलेगी।